(k2/1500/ak-raj)

Comment [l1]: जारी श्रीमती सुषमा

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : संदीप दीक्षित जी, आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): वह उसे केवल विश्वास पर पैसा देता है। क्योंकि उसे मालूम है कि वह बैलगाड़ी में भर कर उस को यहां लाएगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जब आपकी पार्टी की बारी आएगी तो आप बोलिएगा।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उसे बेच कर वह अपना पैसा वसूल लेगा।

अध्यक्ष महोदया जी, जसवंत सिंह जी जैसे लोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था समझते हैं।...(व्यवधान) ये क्या जाने? वह मेरी बात के साक्षी होंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह क्या हो रहा है? आप सभी बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): मैं पूछना चाहती हूं कि क्या वालमार्ट और टेस्को उसे उधार देगा? क्या उसे संवेदना होगी उसकी बेटी की शादी या बेटी की भात भरने की। ...(व्यवधान) उसे तो धोती और साफे वाले किसान से बदबू आएगी। ...(व्यवधान) कौन डायरेक्ट बात कर सकेगा? कोई किसान से सीधा उसकी फसल खरीदेगा? नई एजेंसियां खड़ी होंगी और नए बिचौलिए खड़े हो जाएंगे। इसमें यह कहना कि आप बिचौलिए को समाप्त कर देंगे या मिडलमैन को समाप्त कर देंगे, यह बात सिरे से गलत है। ...(व्यवधान) आपको विदेशी बिचौलिए चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हो रहे हैं?

...(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): ये लोग अमेरीका के समर्थक हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जब आपकी पार्टी को चांस मिलेगा तब आप को चांस मिलेगा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। इनको बोलने दीजए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्या चाहते हैं? आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, if this is the way they are going to conduct this discussion, then we will not allow them to speak. … (*Interruptions*) In that case, nobody will be allowed to speak. … (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: All of you please sit down. What is happening to you?

… (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, we will not allow this to continue. … (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, you sit down. They all are sitting.

… (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, you control them. … (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, if they do like this, then your Prime Minister would not be allowed to speak; the Leader of the House would not be allowed to speak; and nobody will be allowed to speak. … (*Interruptions*) We will not allow anybody to speak. … (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Why are you doing this? Please sit down.

… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: All of you please sit down.

… (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, we will not allow any one of them to speak. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आप क्यों बारबार खड़े हो रहे हैं?

…(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

(Interruptions) … (Not recorded)

(l2/1505/nsh-sh)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): …(अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) सुषमा जी को बोलने नहीं देना चाहते।

… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: This will not go on record.

(Interruptions) … (Not recorded)

अध्यक्ष महोदया : गीते जी, आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बहुत गभीर विषय पर चर्चा हो रही है।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठहरिए, हम इधर ही सुनाएंगे। आप नहीं सुनेंगे। ऐसे नहीं बोलिए।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठिए।

… (*Interruptions*)

THE MINISTER OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI MALLIKARJUN KHARGE): Madam, he said that **...** Is it fair? You listen to what he said. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : यह क्या तरीका है।

…(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: It is not correct to speak like that. It is unfair. He said like that and it is uncharitable on his part. He has to withdraw it. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप सब बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): Madam, I have to say that he is challenging the Speaker and I think it should be removed from the records. He should not challenge the Speaker. He can challenge us, but not the Chair. … (*Interruptions*)

SHRI KIRTI AZAD (DARBHANGA): We are not challenging; you are disturbing our leader. You are the leader of the House.

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। ऐसे मत कीजिए।

…(व्यवधान)

SHRI SUSHILKUMAR SHINDE: You can talk like this with us, but not with the Chair. Madam, he can challenge us, but not the Chair. … (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): What is he saying? He is the Leader of the House, . … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : यहां पर बहुत गंभीर विषय पर चर्चा हो रही है। नेता प्रतिपक्ष बोल रही हैं। मैं चाह रही हूं कि सब सुन लें। वे अपना पक्ष रख रही हैं, अपने विचार रख रही हैं। आपकी जब बारी आएगी, आप अपना पक्ष रखिएगा।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप चुप रहिए। यह क्या हो रहा है। हर समय क्यों बोलते हैं।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, कभी-कभी उत्तेजित हो जाते हैं, हाउस हिल जाता है। मगर बहुत ज्यादा उत्तेजित होकर ऐसे मत कीजिए। इस तरह नहीं करते। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर उत्तेजना होगी, मगर आपे से बाहर मत हो जाइए, यह मैं कह रही हूं।

Comment [n2]: Cd by m2

(m2/1510/rjs-smn)

Comment [r3]: Speaker-cd

आप उनकी बात सुनिये। जब आपके बोलने की बारी आयेगी, तब कहिए। अभी आप उनकी बात ध्यान से सुनिये।

…(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्षा जी, इनका तीसरा दावा है कि एफडीआई रोजगार के नये अवसर पैदा करेगी। वाणिज्य मंत्री जी ने तो एक आंकड़ा भी दे दिया है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ जॉब्स मिलेंगी, लेकिन उन्होंने एक आंकड़ा दिया कि 40 लाख लोग डायरेक्टली इन लोगों द्वारा इम्प्लॉय होंगे, यानी जो मल्टी ब्रांड रिटेलर्स आयेंगे, ये आकर 40 लाख लोगों को डायरेक्ट नौकरी देंगे। मुझे नहीं मालूम कि यह आंकड़ा देते समय कोई जमा-घटाव, कोई गुणा-तकसीम करते हैं या नहीं, क्योंकि एक आंकड़ा मेरे पास है। वॉलमार्ट के 9 हजार 826 स्टोर्स पूरी दुनिया में हैं और उनके इम्प्लायज 21 लाख हैं। अगर 40 लाख इम्प्लायज हिन्दुस्तान में केवल वॉलमार्ट के आने हों, क्योंकि वॉलमार्ट में 214 प्रति स्टोर कर्मचारियों की संख्या है। एक स्टोर में 214 कर्मचारी हैं जो सबसे ज्यादा हैं। बाकी लोगों के तो और भी कम हैं, जो मैं बताऊंगी। अगर 214 प्रति स्टोर वाले वॉलमार्ट ने 40 लाख लोगों को यहां इम्प्लायमैंट देना है, तो 18 हजार 600 स्टोर खोलने पड़ेंगे। बाकी के बारे में आप सुनेंगी, तो हैरान रह जायेंगी। केयरपोर्ट की प्रति स्टोर 30 की संख्या है और पूरे विश्व में उनके स्टोर 15 हजार 937 हैं। मेट्रो की संख्या 133 है और टेस्को जो वॉलमार्ट के बाद यहां आना चाह रहा है, उसकी संख्या 92 है। उनके 5 हजार 380 स्टोर्स हैं। अगर ये सारे आ जायें और अपनी-अपनी संख्या के अनुसार करने लग जायें, तो 36 हजार से ज्यादा स्टोर्स चाहिए। ये 53 शहरों में खोलने की बात कर रहे हैं यानी एक-एक शहर में छः-छः सौ स्टोर्स खुलेंगे। हर चौराहे पर अगर स्टोर खुलें तब जाकर 40 लाख लोग बनते हैं। …(व्यवधान) कहां से आंकड़ा लाते हैं, कैसे लाते हैं? कोई आंकड़ा कहीं सुना, कहीं चिपका दिया।

जहां तक रोजगार की बात है, यह तो आप 40 लाख की बात कर रहे हैं। आप अपनी पालिसी उठाकर देखिये, उसमें आपने क्या कहा है? आपने कहा है कि 30 परसेंट आपके एसएमईज से चीज लेनी पड़ेगी। अध्यक्षा जी, सबसे ज्यादा बेरोजगारी अगर आयेगी, तो वह मैनुफैक्चरिंग सैक्टर में आयेगी। आपके कारखाने बंद हो जायेंगे। आपने खुद कहा कि 30 परसेंट स्थानीय उद्योग से लेना पड़ेगा। आज जो उद्योग सौ परसेंट बेच रहा है, उसका 70 परसेंट आपने काट लिया। क्या 30 परसेंट पर कोई कारखाना चल सकता है? क्या कोई फैक्ट्री वायेबल हो सकती है? कारखाना दर कारखाना बंद हो जायेगा। यह जो 70 परसेंट आयातित माल आयेगा, जिसे यह कह रहे हैं कि 30 परसेंट यहां से तो 70 परसेंट इम्पोर्ट करेंगे। यह

जो 70 परसेंट आयातित माल आयेगा, इसमें से 90 परसेंट माल चाइना का होगा। कारखाने खुलेंगे चाइना में, रोजगार मिलेगा चाइना में, आमदनी बढ़ेगी चाइना की और आपके यहां 12 करोड़ घरों में अंधेरा हो जायेगा। आपका मैनुफैक्चरिंग सैक्टर खत्म हो जायेगा। जो रोजगार की बात कर रहे हैं, जरा उनकी बात करो जो बेरोजगार होकर सड़क पर आ जायेंगे। यह भी बता दूं कि 30 परसेंट वाली जो एसएमईज वाली बात है, यह भी एक मिथ है, एक मिथ्या धारणा है। क्यों? क्योंकि भारत डब्ल्यूटीओ में जिन शर्तों पर शामिल हुआ है, उसमें जीएटीटी (गैट) का आर्टिकल 3 यह पाबंदी लगाता है कि आपको नैशनल ट्रीटमैंट देना होगा कांटैक्टिंग पार्टी से। आप कोई कानून ऐसा नहीं बना सकते, जिस कानून के तहत स्थानीय उद्योग से आप चीज खरीद सकें। कल कोई आपकी इस व्यवस्था को कोर्ट में जाकर चैलेंज करेगा और वह व्यवस्था गिर जायेगी। केवल डब्ल्यूटीओ की बात नहीं, अध्यक्षा जी, प्रधान मंत्री जी बैठे हैं, 82 देशों से हमने बीआईपीए साइन किया।

Comment [r4]: Cd by n2

(n2/1515/rps-sr)

Comment [A5]: Smt Swaraj contd.

हमने द्विपक्षीय समझौते किए हैं और उनको कहा है कि आपको भी हम नेशनल ट्रीटमेंट देंगे और उस नेशनल ट्रीटमेंट का मतलब है कि हम उनके उद्योगों से चीजें खरीदेंगे। इसलिए यह जो तीस प्रतिशत वाली बात है, यह बहुत बड़ी मिथ्या और भ्रामक बात है। यह 30 प्रतिशत भी आप स्थानीय उद्योगों से खरीद नहीं सकेंगे। इसलिए आप जो रोजगार की बात करते हैं, 40 लाख रोजगार का शीशा तो मैंने दिखा दिया आपको, लेकिन जो लोग बेरोजगार होंगे, क्या उनका कोई आकलन किया है आपने? आपके यहां मॉल्स आ जाएंगी, मॉल्स में जरूर जगमगाहट हो जाएगी और शहर जगमगाने लगेंगे, लेकिन जिन लोगों के घर में अंधेरा हो जाएगा, क्या कभी उनकी कल्पना की है आपने? ये तीन दावे हैं जो सरकार कर रही है, उपभोक्ता का हित-रक्षण होगा, किसानों को अच्छा दाम मिलेगा, नए रोजगार होंगे। इन दावों की पोल मैंने खोल दी आपके सामने, लेकिन इस नीति के अपने दुष्परिणाम खुदरा व्यापार पर क्या होंगे, अब मैं वह आपको बताना चाहती हूं। पूरे विश्व का यह अनुभव है कि जहां-जहां एफडीआई मल्टी-ब्रांड रिटेल में आई है, वहां-वहां का खुदरा व्यापार खत्म हो गया है, छोटी शॉप्स समाप्त हो गयी हैं। ...(व्यवधान) यह गलत नहीं है, आप सुन लीजिए।...(व्यवधान)

This is the report of the National Trust for Historic Preservation. It is written: What happened when Walmart came to town in 1996. A Study of Walmart expansion has found that 84 per cent of all sales at the new Walmart stores came at the expense of existing businesses within the same country. किसके सिर पर आया? लोकल बिजनेस को खत्म करके 84 प्रतिशत सेल्स आए। यह मैंने आपके सामने एक

विदेशी रिपोर्ट रखी है, कोई अपनी गढ़ी हुई बात नहीं रखी है। मैं छोटे देशों की बात ही नहीं कर रही, मैं बड़े देशों की बात कर रही हूं। मैं इंग्लैंड की बात करूंगी, ब्रिटेन की बात करूंगी। हिन्दुस्तान टाइम्स की 15 जुलाई, 2010 की रिपोर्ट है। इसमें क्या लिखा है, जरा ध्यान से सुन लीजिए जो कह रहे थे कि गलत है। जो गलत हैं ध्यान से सुन लें। मैडम, ब्रिटिश पार्लियामेंट के दो एमपीज ने कहा है, किसी ऐरे-गैरे ने नहीं कहा है। मैं ऑन-कोट पढ़ रही हूं, अगर आप कहें तो सदन के पटल पर रख दूंगी।

> "Britain was a nation of small shopkeepers. All of that had changed and this is because of the super market led by TESCO. It is impossible for small shopkeepers who have so much to offer to compete with the prices of super market, "

ABP GEO SS Secretary, Bob Russell, MP added: "The expansion of super market in Britain has been to the serious detriment of small shops. There is no question about this."

It further says, "One in six small stores in Britain has gone out of business in the last decade," the Group said because of TESCO, because of these large super markets. हर छठा स्टोर बिजनेस से बाहर हो गया। यह मेरे कहे हुए शब्द नहीं हैं। ब्रिटिश पार्लियामेंट के दो एमपीज ने कहा है। ...(व्यवधान) केवल इन दो एमपीज ने नहीं कहा है, आपसे भी मिले होंगे, एक इंडियन ओरिजिन के एमपी हैं- मिस्टर कीथ वाज़। आपसे जरूर मिले होंगे, क्योंकि भारत आते हैं, बहुत लोगों से मिलते हैं। कीथ वाज़ को जब पता चला कि भारत में इस तरह की बात चल रही है, तो भारत के सांसदों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा। यह मैं कीथ वाज़ की बात पढ़ रही हूं। यह बहुत पुरानी बात नहीं है, यह 20 सितम्बर, 2012 की बात है, आज से केवल दो महीने पहले की बात है। Indian origin Labour Party MP Keith Vaz has advised "Indian legislators to be careful while handling the issue of FDI in retail, cautioning that a major dominance by a super market may not be in the interest of the common man." कीथ वाज़ ब्रिटेन के एमपी भारत में बहुत आते हैं, भारत से प्यार रखते हैं, इसलिए भारत के सांसदों को उन्होंने आगाह किया है कि सावधानी बरतो, यह एफडीआई कॉमन मैन के इंट्रेस्ट में नहीं है।

Comment [A6]: cd. by o2.h

Comment [I7]: Cd by Sushma swaraj

(o2/1520/har/kmr)

मैं केवल इंग्लैंड की बात नहीं कर रही हूं मैडम, जिन देशों से ये कंपनियां आ रही हैं, मैं अमरीका की बात कर रही हूं। वॉलमार्ट तो अमरीका की कंपनी है और उसने अमरीका में क्या तबाही मचाई है, आप जानते हैं क्या? वहां एक आंदोलन चला है जिसका नाम है "स्मॉल बिजनैस सेटरडे" और उस आंदोलन का नेतृत्व कौन कर रहा है - राष्ट्रपति ओबामा। वह ट्विट करते हैं, वह लोगों को प्रोत्साहित करते हैं कि हर शनिवार को जाकर छोटी दुकानों से चीजें खरीदो। यह मैं आपको दिखाना चाहती हूं जो cdcnews.com की न्यूज है जो इस प्रकार है -

> "Black Friday is over. But 89 million consumers plan to shop small on Small Business Saturday according to a survey by American Express. It is an effort to promote independent retailers on Main Street. Now Small Business Saturday is being promoted in cities across the country including New York, Boston, Los Angeles, Philadelphia, Miami and Detroit."

इस दिन ओबामा स्वयं जाते हैं छोटे दुकानदारों के यहां, वहां से किताबें लेते हैं, यह न्यूज वाशिंगटन की है।

> "President Obama has pitched into help small business get into the holiday shopping season. The President took his daughters Malia and Sasha along on a shopping run to a bookstore a few blocks from the White House. He says he made the visit because it is Small Business Saturday and he wanted to support the small business."

उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ रहा है क्योंकि उनके यहां पॉप एंड मॉम स्टोर्स खत्म हो गये। वॉल-मार्ट ने छोटी दुकानदारियां खत्म कर दीं, उनका रोजगार लुट गया और आंदोलन के तौर पर स्मॉल बिजनैस सेटरडे अमरीका में चलाया जा रहा है। राष्ट्रपति ओबामा बेटियों के साथ शनिवार को शॉपिंग करते हैं और केवल यही नहीं, अध्यक्ष जी, वर्ष 2012 के बजट में अमरीका 10 सूत्री फार्मूला लेकर आया है अपने स्मॉल बिजनैस को स्पोर्ट करने के लिए। क्या कहा गया है कि -

> "Small businesses are the engine of job growth in our country. In order to ensure that small businesses are poised to start, grow and create jobs, the 2012 Budget will:
>
> 1. Spur job creation by enhancing small business access to credit.
> 2. Cut taxes for small businesses seeking to grow and expand.

3. Boost investment in small businesses.
4. Promote impact investment in economically distressed regions for disadvantaged groups and in sections of national significance.
5. Help innovative small businesses obtain early stage financing.
6. Improve small businesses and export access to federal services.
7. Help small businesses connect to regional innovation.
8. Strengthen small business exports.
9. Double the small employer pension plan start up credit.
10. Help small businesses provide health insurance to their employees."

ये 10 सूत्री फार्मूला अमरीका के 2012 के बजट में आ रहा है छोटे व्यापार को बढ़ावा देने के लिए। मैं पूछना चाहती हूं कि जिस समय बाकी के लोग इस प्रणाली के दोषों को चिन्हित करके, उन्हें सुधारने में लगे हुए हैं, उस समय क्या कारण है कि हमारी सरकार इसे महिमा-मंडित कर रही है। माननीय प्रधान मंत्री जी सोचते हैं कि एफडीआई आ जाएगी तो अर्थव्यवस्था की सारी कमियों का इलाज हो जाएगा। कहते हैं कि मूर्ख अपने अनुभव से सीखता है, बुद्धिमान दूसरों के अनुभव से सीखता है। मैंने दुनियाभर के देशों के उदाहरण आपके सामने रखे हैं, यूरोपियन यूनियन का उदाहरण, इंग्लैंड का उदाहरण, अमरीका का उदाहरण आपके सामने रखा, ये देश तबाही से अपने मुल्कों को बचाने में लगे हैं, स्मॉल बिजनैस को प्रमोट कर रहे हैं, रैजोल्यूशन अडॉप्ट कर रहे हैं लेकिन हमारी सरकार लगी है कि एफडीआई आ जाएगी तो पता नहीं देश के अंदर कौनसी क्रांति आ जाएगी, हमारी सारी अर्थव्यवस्था की कमियां दूर हो जाएगी।

Comment [l8]: Cd by P2

(p2/1525/asa/vp)

Comment [a9]: Ctd by Sushma Swaraj

अध्यक्ष महोदया, यह बहस नयी नहीं है। यह बहस हमारे समय में भी चली थी जब हम सरकार में थे। तब भी कुछ लोग कहते थे कि खुदरा व्यापार में एफडीआई ले आओ, बहुत भला होगा। उस समय अटल जी ने एक अध्ययन करवाया था और स्टडी करवाने के साथ साथ योजना आयोग ने वहां के सम्मानित सदस्य श्री एन.के.सिंह जो इस समय जेडीयू के राज्य सभा में सदस्य हैं, उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई थी और उन्होंने एक रिपोर्ट दी थी। उस रिपोर्ट को मैं पढ़कर सुनाती हूं। उन्होंने कहा था: "The retail sector in India is dispersed, widespread, labour-intensive and disorganized. In the light of this, it is not thought desirable at present to lift the ban on FDI in retail trade."

मैं याद दिलाना चाहती हूं कि जिस समय यह रिपोर्ट आई थी, उसके बाद हमने एकमत से निर्णय कर लिया था कि हम खुदरा व्यापार में एफडीआई नहीं लाएंगे। उस समय कांग्रेस की सोच भी यही थी। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि खुदरा व्यापार में विदेशी निवेश आए। महाराष्ट्र के एक फेडरेशन के लोगों ने, स्टेट कमेटी के चेयरमैन ने मनमोहन सिंह जी को पत्र लिखा था। वह राज्य सभा में नेता, प्रतिपक्ष थे। उन्होंने कहा था कि ऐसा सुन रहे हैं कि एनडीए की सरकार एफडीआई लाना चाहती है। आप रोकिए। राज्य सभा में यह प्रश्न उठा था। उस समय के वित्त मंत्री ने राज्य सभा में आश्वासन दिया था और मनमोहन सिंह जी ने एक पत्र लिखकर महाराष्ट्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उस ट्रेड कमेटी के अध्यक्ष को आश्वस्त किया था। वह पत्र मैं लेकर आई हूं। आपको पढ़कर सुनाना चाहती हूं। … (*Interruptions*) I will not yield. … (*Interruptions*) I will not yield. … (*Interruptions*) आपको मेरे बाद बोलना है तब आप बोल लीजिए। अध्यक्ष जी, मनमोहन सिंह जी ने वह पत्र लिखा- "Dear Shri Shanghvi, kindly refer to your letter of 6th December 2002, regarding FDI in retail trade. This matter was raised in the Rajya Sabha two days ago; and the Finance Minister gave an assurance that Government had no proposal to invite FDI in retail trade. With kind regards."

इन्होंने आश्वस्त किया था कि रिटेल ट्रेड में किसी तरह की कोई एफडीआई नहीं आ रही है और यह उन्होंने उस चिट्ठी को लिखकर आश्वस्त किया था क्योंकि उन्होंने इन्हें बोला था कि आप देखिए कि यह न आए। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा था कि आप आश्वस्त रहिए। वित्त मंत्री ने राज्य सभा में कह दिया है कि एफडीआई नहीं आएगी। केवल यही नहीं, प्रियरंजन दासमुंशी उस समय यहां के चीफ व्हिप होते थे। सोनिया जी नेता, प्रतिपक्ष थीं। वह यहां मुख्य सचेतक थे। वह इसी मुद्दे पर एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेकर आए थे। उन्होंने इस निर्णय को एंटी-नेशनल करार दिया था। यह मैं लेकर आई हूं। प्रियरंजन दासमुंशी का कॉलिंग अटैंशन लेकर आई हूं। उन्होंने क्या कहा था? मैं पढ़कर सुनाती हूं:- "I would like to draw the attention of the Government, through you, as it is alleged that the multi-national retailers through the bureaucratic circles, are continuously putting pressure on the Government to take an anti-national decision of allowing FDI in retail trade; this will perhaps destroy the entire prospect of the retail trade in the country." वह प्रियदा आज कोलकाता के एक अस्पताल में जीवन का संघर्ष कर रहे हैं। उनकी पत्नी दीपादास मुंशी आज इनकी कैबिनेट में मंत्री हैं।

मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि आपके उस समय के चीफ व्हिप इसको एंटी-नेशनल कहते हैं। आप स्वयं एफडीआई का विरोध करते हैं। प्रधान मंत्री जी, क्या हो गया? आपकी सोच क्यों बदल गई?...(व्यवधान) परिस्थितियों में क्या परिवर्तन आ गया? मैं जानना चाहती हूं कि उस समय की जो कांग्रेस पार्टी इस निर्णय को राष्ट्रविरोधी निर्णय मानती थी, उस समय के नेता प्रतिपक्ष दोनों एफडीआई का विरोध कर रहे थे और हमसे कहते थे कि खुदरा व्यापार में एफडीआई मत लाना आज क्या कारण है ? आज आपकी सोच क्यों बदली है। कई बार डर लगता है कि अखबार में ऐसी रिपोर्ट पिछले दिनों आई हैं कि वॉलमार्ट ने बहुत बड़े पैमाने पर इंडिया में खुदरा व्यापार में एफडीआई लाने के लिए रिश्वत दी है।...(व्यवधान)

(q2/1530/sk/rk)

Comment [a10]: Ctd by Sushma Swaraj

मैं यह एशोसिएटेड प्रैस की कटिंग लाई हूं। ...(व्यवधान)

> "In a Nov. 15 filing to the U.S. Securities and Exchange Commission, Wal-Mart said it was investigating potential violations of the U.S. Foreign Corrupt Practices Act in Brazil, China and India, among other markets. Wal-Mart's Mexico subsidiary is already embroiled in a public scandal over alleged payments to middlemen to speed up the store-opening process, possibly through payments to local officials."

अभी 8 दिन पहले 23 नवम्बर को इन्होंने इंडिया के सीएफओ को ससपेंड किया। मैं यह खबर लाई हूं।

> Bharti Walmart has suspended five people, including CFO Pankaj Madan, as part of an on-going global investigation by the U.S. retail giant against alleged corrupt practices, sources said."

कई बार डर लगता है कि कहीं यह निर्णय भी भ्रटाचार में से तो नहीं निकला है। सीएफओ को ससपेंड किया। देखिए, उनको तो व्यापार बढ़ाना है। ग्लोबल रिसैशन चल रहा है। भारत का बड़ा बाजार उन्हें दिख रहा है इसलिए वे हर तरीका इस्तेमाल करेंगे। लेकिन मेरी शिकायत तो मेरी अपनी सरकार से है कि हम क्यों ये कर रहे हैं? वे चाहे जो करें, चाहे जो प्रयास करें, लेकिन जब हमने अपनी एक सोच बना ली कि खुदरा व्यापार में अगर विदेशी पूंजी आएगी तो 4 करोड़ लोग जो सीधे इसमें लगे हैं और 20 करोड़ लोग जो इस पर पलते हैं, वे समाप्त हो जाएंगे तो हम इस दिशा में आगे क्यों बढ़ रहे हैं? मुझे यह बात समझ नहीं आती। अभी एफडीआई के पक्ष में कांग्रेस की एक रैली हुई थी। उसमें सारे शीर्षस्थ नेता गये थे। सोनिया जी सहित सभी ने उसको संबोधित किया था। वहां, सोनिया जी ने बोलते हुए एक बात कही।

उन्होंने कहा कि इस जैसी इतने कम समय में इतना विकास करने वाली सरकार क्या कोई देखी है? सोनिया जी, आपने ऐसा कहा था न? मैंने टी.वी. पर सुना था।...(व्यवधान)

श्रीमती सोनिया गांधी (रायबरेली): बिल्कुल सही बात है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): आपने कहा था कि इतने कम समय में इतना विकास करने वाली क्या कोई सरकार देखी है? मैं तो सुनकर हैरान रह गई कि वह बोल क्या रही हैं? मैं बताती हूं कि गलत क्या है? सन् 1952 से लेकर 2012 तक 60 वर्षों में से 50 वर्ष कांग्रेस की ही सरकार रही है।...(व्यवधान) आप चुनौती किसे दे रही थीं? मुझे समझ नहीं आया कि यह वाक्य बोलकर आप किसे दे रही थीं? आप चुनौती अपने नाना ससुर को दे रहीं थीं। आप चुनौती अपनी सासु मां को दे रहीं थीं। आप चुनौती अपने पति की सरकार को दे रहीं थीं। आप चुनौती किसको दे रही थीं?...(व्यवधान) सोनिया जी, हमारी सरकार तो मात्र 6 वर्ष रही है और गैर कांग्रेसी सरकार इस देश में दस साल से कम रही है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदया, आप जानती हैं कि इस देश में गैर कांग्रेसी सरकारें तो दस साल से भी कम रही हैं। मोरारजी देसाई की सरकार ढ़ाई साल रही थी। हमारी सरकार 6 साल रही, वी.पी. सिंह जी की रही और बाकी तो सारी सरकारें आपकी थीं। नरसिम्हा राव जी की सरकार आपकी थी। लाल बहादुर शास्त्री जी की सरकार आपकी थी। पचास में से तीस साल तो नेहरू गांधी परिवार का राज्य रहा है।...(व्यवधान) आप किसको सुना रहीं थीं? आपका यह कहना कि ऐसी सरकार क्या कभी देखी है? इसका मतलब यह हुआ कि न तो इंदिरा जी की सरकार वैसी थी और न नेहरू जी की सरकार वैसी थी, न राजीव जी की सरकार वैसी थी। क्या मनमोहन सिंह जी की सरकार सबसे ऊपर हो गई?...(व्यवधान)

मैडम, अगर इस सरकार को ऐसा लगता है कि एफडीआई विकास की सीढ़ी है तो मैं इन्हें कहना चाहती हूं कि यह विकास की सीढ़ी नहीं है बल्कि यह विनाश का गड्ढा है।...(व्यवधान) मुझे समझ नहीं आता कि अचानक सरकार को हो क्या गया है? अभी पिछले शीतकालीन सत्र में इसका निर्णय करके उन्होंने हमें आश्वासन दिया है और एकदम एक वर्ष में पलट गये और अब प्रधान मंत्री साहसी वक्तव्य देते हैं। प्रधान मंत्री जी क्या कहते हैं?

> "The time for big-bang reforms has come, and if we go down, we will go down fighting."

Must go down fighting, Mr. Prime Minister but fight for the poor and not for the rich.

Comment [R11]: cd. by 'r2'

(r2/1535/rc/bks)

Comment [r12]: Smt. Sushma Swaraj cd

fight for the small and not for the big; and fight for the country and not for the multinationals. मैं आपसे कहना चाहती हूं कि प्रधान मंत्री जी आप अपनों के लिए लड़िये, गैरों के लिए मत लड़िये। आप तो गैरों के लिए लड़ रहे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहती हूं कि अगर आप अपनों के लिए लड़ेंगे तो हम आपके साथ खड़े होंगे। आपको यह लगता है कि एफडीआई का यह प्रस्ताव अगर चला जायेगा तो वर्ल्ड इनवैस्टमैन्ट सिनारियो खत्म हो जायेगा, इनवैस्टर्स आने बंद हो जायेंगे, देश की प्रतिष्ठा गिरेगी, नहीं, मैं आपसे कहना चाहती हूं कि आप चाहे जिस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मुझे साथ ले चलें, मैं साथ चलने को तैयार हूं। मैं वर्ल्ड् इनवैस्टर्स समिट को यह संदेश देने को तैयार हूं कि भारत हर सैक्टर में एफडीआई के खिलाफ नहीं है, आप इंफ्रास्ट्रक्चर में आइये, पावर में आइये, पुल-पुलिया में आइये, टनल्स में आइये, पोर्ट में आइये, एयरपोर्ट में आइये। आप कहिये तो सही, मैं आपके साथ चलकर वर्ल्ड इनवैस्टमैन्ट सिनारियो को ठीक करके इनवैस्टर्स को कहने वाली हूं। प्रधान मंत्री जी, वह एक अद्‌भुत दृश्य होगा कि भारत जैसे विशाल देश का प्रधान मंत्री और नेता प्रतिपक्ष एक साथ इनवैस्टर्स को कह रहा होगा, आप आइये। लेकिन यह दाल, चावल बेचना हमें आता है, यह आप हम पर छोड़ दीजिए। यहां दाल, चावल बेचने आने की जरूरत नहीं है। हम यहां दाल, चावल वर्षों से बेच रहे हैं। राजस्थान का आदमी जाकर अरुणाचल प्रदेश में बेचता है, भिवानी का आदमी जाकर आसनसोल में बेच रहा है। इतनी बड़ी इस्टाब्लिश्ड सप्लाई चेन हमारे लोगों ने बना रखी है कि हमें दाल,चावल बेचने के लिए कोई तकनीक नहीं चाहिए, उसके लिए खुदरा व्यापार नहीं चाहिए, उसमें एफडीआई नहीं चाहिए। इसलिए मैं आपसे हाथ जोड़कर कहना चाहती हूं कि आप इस निर्णय पर पुनर्विचार कीजिए और मैं सच कहूं, तो मतदान के लिए मैंने प्रस्ताव रखा है, लेकिन हम आपको हराकर जीत दर्ज कराना नहीं चाहते, हम आपको मनाकर जीत दर्ज कराना चाहते हैं। आप मेरी इन बातों पर विचार करिये। इस पर मतदान कल होगा, आपको जवाब कल देना है। आप इसमें जवाब दीजिए। जो बातें मैंने रखी हैं, उन बातों को मैंने आंकड़ों के साथ पुष्ट किया है, बयानों के साथ पुष्ट किया है। कोई बात ऐसे ही हवा में नहीं कह दी है। जब पूरे विश्व में इस पर विचार हो रहा है। अमरीका जैसे देश में छोटे बिजनेस को बढ़ावा देने पर विचार हो रहा है तो हम अपने छोटे बिजनेस को खत्म करने का काम न करें। हम एफडीआई के पर से खिलाफ नहीं है, एफडीआई के एज सच खिलाफ नहीं हैं। जितनी विदेशी पूंजी आये, उन बड़े क्षेत्रों में, तकनीक के क्षेत्र में हम उसका स्वागत करेंगे। लेकिन इस खुदरा व्यापार में, छोटा आदमी, रेहड़ी वाला, पटरी वाला, छाबड़ी वाला की रोजी-रोटी मत छीनिये। मैं आपसे कहना चाहूंगी कि अगर आप निर्णय पर पुनर्विचार कर लेंगे और हम आपको मनाकर जीत जायेंगे तो हमें बहुत खुशी होगी। लेकिन अगर आप हठी होंगे, अगर आप अड़े रहेंगे और आप कहेंगे कि

कोई माने या न माने, आम सहमति बने या न बने, हम तो इस दिशा में बढ़ेंगे ही तो फिर मैं अपने इन साथियों से दर्खास्त करूंगी कि इस निर्णय को वापस लेने का जो प्रस्ताव मैं लेकर आई हूं, फिर आप मतदान में इस प्रस्ताव का समर्थन करिये और इस सरकार को मजबूर करिये कि यह निर्णय वापस ले। हमारे यहां कुछ लोगों को, शायद कुछ साथियों को यह लगता है कि इससे सरकार गिर जायेगी। मैं उन्हें कहना चाहती हूं कि इससे सरकार नहीं गिरेगी। नियम 184 के प्रस्ताव के पारित हो जाने से सरकार नहीं गिरेगी, केवल एफडीआई गिरेगी, सरकार नहीं गिरेगी। इसलिए जिन्हें यह डर है कि सरकार गिर जायेगी, वह भयभीत न हों, वे अपना डर निकाल दें और यदि आप समझते हैं कि एफडीआई का गिरना देश के हित में है तो मैं हाथ जोड़कर पहले इनसे कहती हूं कि आप यह निर्णय वापस ले लें, अगर यह निर्णय वापस नहीं लेते हैं तो आप हमारे इस प्रस्ताव के साथ मतदान करिये, एफडीआई को गिराइये, देश को बचाइये।

यही कह कर मैं अपनी बात समाप्त करती हूं।

(इति)

Comment [B13]: (fd. By s2)

(s2/1540/snb-gg)

1540 hours

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I rise in favour of the motion moved by Smt. Sushma Swaraj and also in support of the motion for amendment moved by me and Janab Hasan Ali. It is very difficult to make a speech after Sushmaji's beautiful speech in flowery and flowing Hindi. But still I will make an attempt.

Madam, for us, FDI is a matter of faith. FDI in multi-brand retail is something we have decided to fight tooth and nail. On 20th September, this Government took the decision to introduce 51 per cent FDI in multi-brand retail. On 21st of September, all the Ministers of Trinamool Congress, setting an example before the country, resigned from the Council of Ministers. We have shown the moral courage to oppose and take a stand. When we brought the No Confidence Motion, we knew that by ourselves we do not have the numbers. We appealed to all parties, but they did not stand with us. But you, my friend, your party, stood with us, for which we are grateful. But still we persisted in moving the motion and that is why again I have given this motion for amendment to the rules.

Madam, FDI in multi-brand retail to the extent of 51 per cent is a step that will jeopardize the livelihood of 3.3 crores of people who are employed in the retail trade and as I will show directly and as I will show later, it will impact the lives of the farmers whom this so called reform FDI in retail is seeking to address. But before that may I give a brief chronology of the events.

One would remember that on the 22nd of July, 2011, the Committee of Secretaries took a decision to introduce FDI in multi-brand retail. On 24th November, 2011, the Union Cabinet paved the way for retail measures by allowing companies like Walmart, Tesco and Carafone to open retail shops in India. The Winter Session of Parliament was totally stalled by the Opposition protesting against FDI in multi-brand retail. On 7th December, 2011, the then Leader of the House, Shri Pranab Mukherjee called an all Party meeting and it was

agreed, as has been correctly mentioned by Smt. Sushma Swaraj, that FDI in multi-brand retail would be kept in suspension till a consensus was arrived at with all stakeholders. Now, this was on the 7th of December, 2011. What has happened in this brief interregnum? The Government's hands were certainly forced to announce this decision.

Madam, let me give you another chronology. In September, 2009, revealed by the Hindu Wikileaks, cable series, March 18, 2011, the then Secretary of State of USA sent a cable to the US Embassy in India. She had asked, why is he, that is Shri Anand Sharma, reluctant to open multi-brand retail? Further, another cable read, `does Sharma get along with Mukherjee -- meaning Pranab Mukherjee -- and Prime Minister Singh?

Comment [r14]: Contd. By t2

(t2/1545/ru-cs)

It is Assange's cable and not mine. So, it is on record. She also asked: "Why was Mukherjee chosen for the Finance portfolio over Ahluwalia?" These cables were the sparks that boarded the Government into action. Then, as I said, the Government took a decision on 24th of November. After that, we know that the Secretary of State came to India on 7th May, 2012 and one of the major agenda she had was to persuade the Government of India to agree to FDI in retail.

Madam, the next spark for action was provided by *The Times Magazine* in its issue dated 16th July, 2012. You can see that it is written with the photograph of our Prime Minister – The Under Achiever. There, one lady, Krista Mahr has prescribed as to what is expected of Dr. Singh. It said that industry leaders are demanding a host of bold reforms such as an end to expensive subsidies, deregulation of diesel prices and resumption of a law to allow multibrand retailers like Walmart into India. The Government originally backed down from such legislation in order to keep coalition members happy. The Government ultimately acted according to the prescription given by *The Times Magazine* and that was what rattled the Prime Minister so much knowing that he had coalition compulsions. Earlier he had not acted on the 2G scam citing coalition compulsions

but knowing coalition compulsions, he went ahead and his Government announced FDI in retail.

The other point that I would humbly mention is about Mrs. Clinton. She was a Director on the Board of Walmart for a long time and when she was trying to become the American President in 2007-08, Walmart executives and lobbies paid for her. She was obviously interested in Walmart getting into India. But why does the Government of India have to respond to the American urgings? Madam, being from Bengal, I remember … (*Interruptions*) Shri Khursheed, I am not yielding. Whatever you have to say, you say later. Madam, I am not yielding.

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): Madam Speaker, he is talking of a constitutional authority of another country. I think it is not in the national interest.… (*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I just want to mention that it is mentioned under rule 352 as to what we can say and not say in this House and it does not include a reference to a dignitary of any other country. If we mention Aung Sang Suu Kyi in this House, it would not be out of order. We have shown her the respect that she deserves. So, please do not allow him. I am not yielding.

SHRI SALMAN KHURSHEED: I am on a point of order … (*Interruptions*) I seek your ruling in this matter. … (*Interruptions*)

SHRI YASHWANT SINHA (HAZARIBAGH): Under which rule is he raising the point of order? … (*Interruptions*)

श्री कल्याण बनर्जी (श्रीरामपुर): आप केजरीवाल का जवाब दीजिए।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: What is your point of order?

… (*Interruptions*)

Comment [U15]: Fd. By u2

Comment [r16]:

(u2/1550/rbn/hcb)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): May I speak? It is a question of patriotism. I would appeal to all sections of the House, including those in the ruling benches, including Netaji who supported the *bandh* against FDI in retail, including the DMK which opposed the FDI in retail, whose base are the retail traders, to forget party affiliations. I am not talking of majority. In this very House wades of currency notes were displayed. We know to what depth Indian democracy can sink to. I am not concerned about that. It is a question of principle. We are from Bengal. It is in Bengal that the sun set at Plassey. Tagore has written "*boniker mandando dekha dilo rajdando rupe – pohale sarbonash*". They come as traders and they become rajas. That is how British behaved. Are we again seeing a repeat of that? Americans coming through Walmart and capturing the Indian market and ultimately the Indian power. This is something which we should not allow.

I would like ask the Government, through you, as to why does the Government take a divisive decision every time immediately before an American presidential election. The Indo-US Nuclear Treaty took place before an American presidential election. This FDI retail decision took place again before the American presidential election. Where are we going? This is a country of 120 crore population with a tradition of 5,000 years. Are we selling our heads for a few pieces of silver? That is the principal question today. It is between Indian patriots and those opposed to patriotism in India.

Let me talk a little about the Walmart. There are three major companies doing retail in the world. Number one is the Walmart; number two is the Carrefour as Smt. Sushma Swaraj has mentioned; and number three is the Tesco. There are other companies also, like Marks & Spencer. But Walmart is very big. It is so big that its turn over is at least four times bigger than that of the next company. Its turn over is 421 billion US dollars. One billion dollar means 100

crores. So, imagine how much it is. It is 4,21,000 crore dollars. That is its turn over.

Whom are we bringing into India? We are bringing in Walmart which makes a profit of 20,000 dollars every minute. We are bringing in Walmart which sources 82 per cent of its products from China. Shrimati Sushma Swaraj correctly said that bringing in Walmart either helps the Americans or the Chinese. It will not help the Indians. Who is the Prime Minister trying to help? We must realise that this is the question which is upper most in all our minds. Walmart has already entered through the backdoor with Bharti Retail. It is operating in 13 wholesale stores in four States of India.

They say that there are safeguards. What are the safeguards? They will open only in cities with a population of one million or above; that they will source thirty per cent of their products from the SME sector; that they will bring in a capital of 100 million; and that they will do fifty per cent of their backend operations here.

What did the Parliamentary Standing Committee on Commerce say in June, 2009 on the retail sector? They studied the whole question and gave a very good Report.

Comment [r17]: Contd. By w2

(w2/1555/brv-mm)

Comment [r18]: Roy cd

They gave a very good report. They said that FDI-driven retailing would be labour displacing. The growth of labour in manufacturing is insufficient to absorb the labour that would be displaced. Two, the global retail chain with deep pockets would sustain losses for many years till their competitors were wiped out. The pricing strategy of large retailers would drive out small retailers resulting in job loss. For a few years, they will sell at low price and then they will sell at high price when their competitors are eliminated. This is the standard Walmart strategy. Three, once the monopoly of global retail chains were stabilised, they would buy cheap and sell dear and disintegrate the established supply chain by controlling both ends of the chain. Lastly, this does not help GDP. Retailing being an

intermediate value-added process cannot boost the GDP by itself. So, why are you bringing in FDI in retail?

The hon. Commerce Minister was commenting outside the House that foreign investment will not come in, otherwise. If I may ask how much foreign investment, Mr. Commerce Minister, do you get. At least three billion dollars you would get over five years. India has, in any way, 20 billion dollars of foreign investment every year from 2006 to 2009. Three billion dollar is what is traded by the Reserve Bank in foreign exchange market every day. For that, you are going to lead so many small retailers to death? For whom is it meant? … (*Interruptions*) They say as you sold your head for thirty pieces of silver, we are selling the country for 30 pieces of silver to Walmart! Mrs. Clinton does not matter. She was a Director in Walmart. But why are our people so much concerned about it?… (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Please do not say about Mrs. Clinton. Shri Khursheed is very much sensitive to that name.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I say it is the Secretary of State. Yes, I can understand his sensitivity.… (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): I am telling what you were saying. You objected to name the President; you objected to the mentioning of the name of that person. This only shows how vulnerable you are to the American President!… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हो गए गुरूदास दासगुप्ता जी। कृपया करके बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) … (Not recorded)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I am not bothered about Shri Khursheed's sensitivity. He is sensitive to two names – positively, about Mrs. Clinton and negatively about Arvind Kejriwal. These are the two names about which he would react. I am helpless in this matter.

Madam, what happened in the United States, leave alone the other countries. The entry of Walmart led to the closure of 40,000 US factories. Shrimati Sushma Swaraj was mentioning that this has an effect on the American Industry also because Walmart is importing from China - You may listen to this - between 2001 and 2007, throwing millions of people out of their jobs. In these years, imports from China rose from nine billion dollars to 27 billion dollars. It means, it has tripled. What does that mean? Wherever they get cheap, they will buy from there. If necessary, they will close down the factories in their own country. Between 1992 and 2007, the number of independent retailers fell by 60,000 in America. Now, I want to ask the Commerce Minister, through you, Madam, this question. Have they done any study on the impact of FDI in retail?… (*Interruptions*) Yes, you have done only two studies – one is in the Mid-Term Appraisal of the Tenth Plan. Now, who is the Deputy Chairman of the Planning Commission?… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Prof. Roy, your time is up. Please conclude.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I am not mentioning anybody. Who is the Deputy Chairman of the Planning Commission?… (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Your time is up. You have another Member also from your Party – Shri Kalyan Banerjee – to speak.

प्रो. सौगत राय (दमदम): हम इसके लिए मंत्री पद छोड़ दिया। थोड़ा टाइम दीजिए, थोड़ा रहम कीजिए।...(व्यवधान) Madam, just give me two minutes.

MADAM SPEAKER: Please conclude in a little while.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): In two minutes, I will wind up.

अध्यक्ष महोदया : आपको टाइम पहले ही दे दिया है।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): What I was saying was this. You know who the Deputy Chairman of the Planning Commission is. They have said in their Mid-Term Appraisal this thing.

Comment [r19]: Cd by w2